IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, September 2025
Impact Factor: 7.67

आधुनिक मिथिला में सिक्की अथवा मूँज एवं बाँस से उपयोगिता के वस्तु निर्माण में निचली जाति के महिला की भूमिका

Mk- dqekjh l/;k

fo'ofo|ky; ef.Fkyh foHkkx]

ch-vkj-,- fcgkj fo'ofo|ky;] eqt¶Qjiqj

Introduction:-

प्राचीन काल से ही मिथिला कलात्मक वस्तु निर्माण का केन्द्र रहा है। आज के दौर में कलात्मक वस्तु निर्माण एवं क्रम में व्यापक पैमाने पर संकट पूर्ण स्थिति में है। मिथिला अतीत एवं वर्तमान में कलात्मक वस्तुओं की चर्चा–परिचर्चाएँ होती रही है। एक समय था जब मिथिला में विशेष समारोह के अवसर पर जो उपयोगिता के वस्तु का निर्माण होता था वो अत्यन्त रंग–बिरंगे चित्र एवं आकृति से सज्जित किया जाता था जिसमें सिक्की के रंग–बिरंगे बर्त्तन, पौती, सौन्दर्य–प्रसाधन, पनबट्टी तथा पसाहिन की पौती, पंखा, आदि एवं बांस का डाला, सूप, कोनिया, विवाह के रस्म में काम आने वाले बांस के अनेक प्रकार के सुन्दर अलंकारिक बर्त्तन, कृषि कार्य में प्रयुकत होने वाले बर्त्तन, मछली पकड़ने के कार्य (मखाना छानने के कार्य में प्रयुक्त होने वाले बांस के बर्त्तन, शराब (हड़िया) छानने की वस्तु, पक्षियों को पालनेवाले पिंजड़ा से लेकर आधुनिक साज–सज्जा के रूप में प्रयुक्त होनेवाले वस्तु जैसे हैण्डबैग, बॉल हैंगिग, टेबुल मैट फूलदान, पत्रिका रखनेवाला स्टैड, फल रखनेवाली चंगेली, टेबल टैम्प ट्रे, ग्लास, खिलौने आदि।) एक समय था जब ये कला मिथिल के समृद्धि का सूचक था।

उत्तरोत्तर संरक्षण एवं आवश्यक प्रोत्साहन नहीं मिलने के कारण यद्यपि इस हस्तकला का ह्रास होता रहा। तथापि महिला में आपसी प्रतिस्पर्धा के फलस्वरूप ये कला–शैली अपने स्वस्थ परम्परा के संग जीवित रहा। कृषि प्रधान समाज में निचली जाति की महिलाओं द्वारा गेहूँ एवं पुआल के छिट्टा–पथिया को बनाया जाता है जिसमें अन्न रखने की व्यवस्था होती है। किन्तु मिथिला में कुश (सिक्की) अथवा मूँज के सुन्दर वस्तु के निर्माण का कार्य इन महिला एवं नवयुवतियों द्वारा प्राचीन काल से ही किया जाता रहा है जिसकी उपयोगिता प्रत्येक अवसर पर होती है। वस्तुतः इस सूक्ष्म–शोध परियोजना में यथास्थिति का अवलोकन के साथ–साथ इसेक उज्ज्वल भविष्य को भी सुनिश्चित करना है।